उनको वापस कर दिए जायेंगे। मैं यह भी जोड़ना चाहता हूं कि दो जून को राज्य अतिथि गृह कांड उत्तर प्रदेश मे हुआ था। मायावती की जान को राज्य अतिथि गृह में बचाने में सब से प्रभावी भूमिका यदि किसी ने निभाई थी तो वह श्री ब्रहम दत्त द्विवेदी ने निभाई थी और तीन मार्च को अदालत में उसकी तारीख पड़ी हुई है। रमेश चन्दर कमेटी की जो रिपोर्ट आई हैं, मैंडम, सारा उत्तर प्रदेश जानता हैं कि वास्तव में उसने रमेश चन्द्र कमेटी ने दो जून .....(**व्यवधान**).....

उपसभापति :राजनाथ सिंह जी, शायद आपका जवाब .....(**व्यवधान**)....1 will allow him. ...*(Interruptions)*.... I am not savin 'no' Do not react *{Interruptions)*.... 1 am trying to remind him what he told the hon. Chairman *(Interruptions)*.... He told the hon. Chairman about the Banaras Hindu University ... *(Interruptions)*.... He has not mentioned even a word about it ... *(Interruptions)*....

श्री राजनाथ सिंह : वह पूरे लॉ एंड आर्डर के बारे में हैं, मैडम।

THE DEPUTY CHAIRMAN: He said it.... *(Interruptions)* 1 know he said it ....*(Interruptions)*..... You were not present there ....*(Interruptions)*.... I was present there. 1 am only saying why he is not mentioning that also. I thought he would also mention that because students weif killed there. 1 am only reminding him that students were killed in the Banaras Hind,u University.

श्री राजनाथ सिंह : वह भी हैं, मैडम .....(**व्यवधान**)... मैडम, मैं आ रहा हूं। .....(**व्यवधान**)....

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश) **:** बी.एच.यू. का भी बोल दीजिए। .....(**व्यवधान**)....

श्री राजनाथ सिंह : मैंउम, मैं यह निवेदन कर रहा था .....(**व्यवधान**)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: He was mentioning about it ....*(Interruptions)*.... He should make a mention about it.

SHRI RAJ NATH SINGH: I am going to raise that also.

मैडम, मैं यह निवेदन कर रहा था कि 2 जून, 1995 को उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ में जो राज्य अतिथि गृह कांड हुआ था उसमें जब सुश्री मायावती पर हमला हुआ था तो मायावती को बचाने में श्री ब्रहम दत्त द्विवेदी जी ने बड़े प्रभावी भूमिका निभाई थी। रमेश चन्दर कमेटी ने जो रिपोट्र दी हैं उसमें कुछ कद्दावर नेता भी आते हैं जिनसे कि सारा उत्तर प्रदेश ही नहीं, सारा देश पूरी तरह से अवगत हैं और उस मामले में 3 मार्च को अदालत में तारीख पड़ी हुई हैं जिसके प्रमुख चश्मदीद गवाह श्री ब्रहम दत्त् द्विवेदी हैं। मैंने राजनीतिक हत्या कहा है तो केवल इसलिए कि चश्मदीद गवाह को बिल्कुल हटा देने की .....(**व्यवधान**)...

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): Madam, I think he can continue his speech later on so that the Prime Minister makes his submission. ....*(Interruptions)*.... will he continue after that or what?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Actually the Prime Minister is here, as per information, to talk about the successful testing of the Prithvi missile. ....*(Interruptions)*.... He may continue after that ....*(Interruptions)*.... Let the Prime Minister make his statement. ....*(Interruptions)*.... He can continue .tftcr the statement by the Prime Minister. राजनाथ जी, पहले वह बोल लें। पृथ्वी की बात हैं।

श्री राजनाथ सिंह : ठीक हैं, मैडम।

STATEMENT BY THE PRIME MINISTER

Successful Testing of Prithvi Missile

THE PRIME MINISTER (SHRI H.D. DEVE GOWDA): Hon. Deputy Chairman, with your kind permission I would like to make the following statement:

Madam. I rise before the House to convey my own congratulations and the good wishes of the entire country to the scientists of the Defence Research and Development Organisation who have successfully tested the 250-kM range version of the Prithvi missile yesterday. As is known, this version is for the use ot the Indian Air Force and will significantly

add to our defensive capability. As the House is aware, we have placed special emphasis on self-reliance in this field and the success of yesterday's launch is one more milestone in our programme. The DRDO and its tdam of dedicated scientists have done the nation proud and I am sure the House will join mc in placing on record our deep appreciation of the execcllent work done by them.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : सदर साहिबा, हम मुबारकबाद देता हैं अपने साइंटिस्ट को कि इस कामयाबी के साथ पृथ्वी मिसाइल का एक्सपैरीमेंट किया गया हैं। लेकिन अग्नि का क्या हुआ वह भी प्राइम मिनिस्टर साहब बता दे? ....(**व्यवधान**)... वह कोल्ड-स्टोरेज में हैं या कहां हैं और क्या एक्सपैरीमेंट चल रहे हैं, यह प्रधान मंत्री जी बताने की कृपा करें।

†**نیتا ورودھی دل " شری سکندر بخت":** صدر صاحبہ۔ ہم مبارکباد دیتے ہیں اپنے سائنٹسٹ کو کہ اس کامیابی کے ساتھ پرتھوی میزائیل کا ایکسپیریمنٹ کیا گیا ہے۔ لیکن اگنی کا کیا ہوا وہ بھی پرائم منسٹر صاحب بتا دیں؟ ..."مداخلت"... وہ کولڈ۔ اسٹوریج میں ہیں یا کہاں ہے اور کیا ایکسپیریمنٹ چل رہے ہیں، یہ پردھان منتری جی بتانے کی کرپا کریں۔

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now. we arc congratulating our defence scientists on prithvi.

SHRI SIKANDER BAKHT: Madam, we would like to know from the Government what is happening with regard -to 'Agni.'

† Transliteration in Arabic Script

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : अमेरिका द्वारा उसे रोका तो नहीं जा रहा हैं?

THE DEPUTY CHAIRMAN: We can take up that matter at some other time. But let us not undermine our scientists" efforts for the success of it *....(Interruptions)....*

SHRI TR1LOKI NATH CHATURVEDI (Uttar Pradesh) Nobody is undermining the efforts of our scientists *....{Interruptions)..*

THE DEPUTY CHAIRMAN: So, let us stop it *....(Interruptions)*___

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Nobody is undermining our scientists. We arc only congratulating them. They are our national pride. We arc proud of the achievement of our scientists *... .(Interruptions)....*

SHRI TRILOK1 NATH CHATURVEDI: We arc highly appreciating. We arc grateful to tJicm. And they should be given an opportunity and support for the development of "Agni.' This is what the House wants *....(Interruptions)....*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आप किसी प्रेशर में उसे रोक तो नहीं रहे हैं, यह क्लिअर कर दें।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Prime Minister, the hon. Members are

joining you in congratulating our scientists on the success of 'Prithvi.' They are also expressing their concern for 'Agni.' You may make a statement on 'Agni' at you convenience...*(Interruptions)*.... Now we are in the midst of Zero Hour.

RE. GRAVE LAW AND ORDER SITUATION IN U.P.—CONTD.

उपसभापति :राजनाथ सिंह जी, आप अपना वक्तव्य कक्लूउ करें। You go back to what is happening in Uttar Pradesh.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : (उत्तर प्रदेश) मैडम, प्रधान मंत्री जी उत्तर प्रदेश के भी हैं। वह इलेक्शन में वहां 40 दफा जा सकते हैं तो अभी उत्तर प्रदेश में जो आग लगी हैं अपहरण और हत्याओं की .....(**व्यवधान**).....

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMAI): He is going to Orissa.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Yes, he is going to Orissa.

But, can he not stay for another five minutes here?

We all share the agony of Orissa.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is going there with other leaders also. That is why Shri Sikander Bakht was kind enough to cooperate in making the statement by the hon. Prime Minister.

श्री राजनाथ सिंह :(उत्तर प्रदेश)-मैडम, मुझे यह कहने में संकोच नहीं हैं कि श्री ब्रहम दत्त द्विवेदी एक ऐसे कद्दावर नेता थे कि जिन के कारण उत्त्र प्रदेश के विशेष रूप से 4 जनपदों में भारतीय जनता पार्टीग् को जनाधार मिला था। वहां फैले आतंक औरिहसा के खिलाफ चट्टान की तरह खड़ा होने वाले अगर कोई नेता थे, तो वह श्री बम्हदत्त द्विवेदी थे। मैडम, मैंने जिन बिदुंओं का विशेष रूप से उल्लेख किया हैं, उस में

2 जून का राज्य अतिथि गृह हत्याकांड भी हैं जिस के वे चश्मदीद गवाह थे। उस मामले में सी.बी.आई. इंक्वायरी कर रही हैं इस का भी वह संज्ञान ले। साथ ही जिन परिस्थितियों में उन के फायर आर्म्स के लायसेंस निरस्त किए गए और उन की हत्या के 9 दिन बाद सारे फायर आर्म्स वापिस हो गए, इस का भी सी.बी.आई. संज्ञान ले। मैंडम, मैं आश्वस्त हूं कि सी.बी.आई. इंक्वायरी के द्वारा केवल पिस्तौल चलाने वाले हाथो की ही जानकारी नहीं मिलेगी बल्कि पिस्तौल चलाने के लिए उकसाने वाले जो दिमाग हैं, उन की भी जानकारी हो जाएगी और सारे ऐसे लोग पूरी तरह से बेनकाब हो जाएंगे।

मैडम, मैं एक और बड़ी घटना का भी उल्लेख कर देना चाहता हूं। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी और यू.पी. कालेज में पुलिस के द्वारा अंधाधुंध फायरिंग की गयी जिस में काशी हिंदू विश्वविघालय के दो छात्र श्री सर्वेन्द्र मिश्र और मनोरंजन सिंह व यू.पी. कालेज के एक भूतपूर्व छात्र सी उपेन्द्र सिंह की हत्या हो गयी। मैंडम, इस समय उत्तर प्रदेश का पूरा छात्र समुदाय आंदोलित हैं और मुझे लगता हैं कि कहीं ऐसे हालत न पैदा हो जाएं कि उत्तर प्रदेश का पूरे का पूरा छात्र समुदाय आंदोलित हो उठे और वहां की सारी व्यवस्था को ठप्प करने की स्थिति में पहुंच जाए।

मैडम, मैं मांग करना चाहता हूं कि उन छात्रों की हत्या के लिए गोली चलाने में भी जिम्मेदार लोग हैं, उन के विरूद्व मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए औरि जन की गोली से हत्या हुई हैं, ऐसे आधिकारी अथवा ऐसे पुलिस-कर्मियों के विरूद्व धारा-302 का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। साथ ही जो छात्र मारे गए है, उन के परिवारों को कम सो कम पांच-पांच लाख रूपए की आर्थिक सहायता भी दी जानी चाहिए।

यह मैं मांग करता हूं। साथ ही बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के सारे मामले की न्यायिक जांच कराई जाने की भी मांग करता हूं।

मैडम, आज उत्तर प्रदेश में प्रशासिनक व्यवस्था भी बुरी तरह से छिन्न-भिन्न हो गई हैं। अधिकारियों का लगातार स्थानान्तरण चल राह हैं। एक एक आई.पी. एस., आई.ए.एस. अधिकारी ऐसे हैं, ि जनका वर्ष में आठ-आठ बार स्थानान्तरण हुआ हैं। कानपुर के एस.एस.पी. का स्थानान्तरण एक वर्ष में आठ-आठ बार हुआ हैं। ऐसे ऐसे अधिकारियों को पदस्थापित किया जा रहा हैं, जिनके विरूद्व मुजफ्फरनगर कांड में गंभीर